फार्म बी.एम.-9(भाग-1)

पुनर्विनियोग की स्वीकृति के लिये आवेदन

अनुदान संख्या व नाम : 43-परिवहन विभाग (आयोजनागत) वित्तीय वर्ष 2017-18 (धनराशि लाख रूपये में)

निम्नलिखित निधियों से प्रस्तावित संक्रमण वित्त विभाग द्वारा भरा जायेगा

लेखाशीर्ष (15 डिजिट कोड में) (आयोजनागत)	आवेदन पत्र देने के दिनॉक पर उपलब्ध अनुदान/विनियोग	आवेदन पत्र देने के दिनॉक पर उपलब्ध बचत	संक्रमित की जाने वाली धनराशि	वित्त विभाग द्वारा संक्रमण हेतु अनुमोदित धनराशि	संक्रमण के पश्चात शेष अनुदान/ विनियोग
1	2	3	4	5	6
5055 00 800 05 00 5055-सड़क परिवहन पर पूॅजीगत परिव्यय-00-800-अन्य व्यय-05-उत्तर प्रदेश सड़क सुरक्षा कोष से व्यय-24-वृहत निर्माण कार्य	2500.00	497.76	497.76	497.76	2002.24
योग-	2500.00	**497.76**	**497.76**	**497.76**	2002.24

निम्नलिखित निधियों में प्रस्तावित संक्रमण वित्त विभाग द्वारा भरा जायेगा

लेखाशीर्ष (15 डिजिट कोड में) (आयोजनागत)	वित्तीय वर्ष के लिये उपलब्ध अनुदान/ विनियोग	वित्तीय वर्ष में कुल प्रत्याशित व्यय	संक्रमण हेतु प्रत्याशित धनराशि (9-8)	वित्त विभाग द्वारा अनुमोदित संक्रमण की धनराशि	संक्रमण के पश्चात उपलब्ध अनुदान/ विनियोग (8+11)
7	8	9	10	11	12
4059 80 800 01 00 4059-लोक निर्माण कार्य पर पूॅजीगत परिव्यय-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-01-केन्द्र प्रायोजित योजनायें-0101-मोटरयान टेस्टिंग स्टेशन-24-वृहत निर्माण कार्य	0	497.76	497.76	497.76	497.76
योग -	**0**	**497.76**	**497.76**	**497.76**	**497.76**

(1) स्तम्भ-3 में बचत का कारण निम्नानुसार है :-

मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश के अनुरूप 100 दिन में योजना पूर्ण कराये जाने के कारण।

(2) स्तम्भ-8 में उल्लिखित उपलब्ध अनुदान के सापेक्ष स्तम्भ-9 में अंकित अधिक व्यय निम्नलिखित कारणों से है :-

-मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश के अनुरूप 100 दिन में जनपद-लखनऊ में इन्सपेक्शन एवं सर्टिफिकेशन सेन्टर के निर्माण की योजना पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये है। अत: अपरिहार्य परिस्थितियों में पुनर्विनियोग प्रस्ताव सड़क सुरक्षा योजना में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष प्रेषित किया जा रहा है, जिसकी प्रतिपूर्ति मूल आय-व्ययक अनुमान में यथासमय करा ली जायेगी।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(3) प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त पुनर्वनियोग में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल के प्रस्तर-150 व 151 में निर्दिष्ट प्रतिबन्ध/परिसीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

संख्या-आर0ई0-05/ई-9-यू0ओ0-168/दस-2017, दिनॉक 09 मई, 2017

सेवा में,

महालेखाकार,
(लेखा एवं हकदारी) प्रथम, उत्तर प्रदेश,
इलाहाबाद।

ह0
(विनोद कुमार)
उप सचिव,
परिवहन विभाग।

ह0
(बराती लाल)
उप सचिव
वित्त विभाग।

संख्या-27/2017/966/तीस-3-2017-3बी/2008, दिनॉक 09 मई, 2017

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2- महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
3- परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को इस शर्त के साथ प्रेषित कि जिस मानक मद से पुनर्विनियोग का प्रस्ताव किया गया है, उसी मानक मद में चालू वित्तीय वर्ष में धनराशि के पुनर्विनियोग का प्रस्ताव नहीं किया जायेगा तथा यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि जिस मानक मद में धनराशि का पुनर्विनियोग किया जा रहा है, उस धनराशि का चालू वित्तीय वर्ष में पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।
4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
5- निदेशक, वित्तीय एवं सांख्यिकीय निदेशालय, लखनऊ ।
6- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-9
7- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 (03 प्रतियों में)।
8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
ह0
(विनोद कुमार)
उप सचिव,
परिवहन विभाग।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in